

---

shAstRi pa ncakaM

शंस्तृ पांचकम्

Document Information

---

Text title : shaastrupancakam

File name : shaastrupancakam.itx

Category : deities\_misc

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Proofread by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Latest update : April 23, 2008

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 16, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

शास्त्र पञ्चकम्

---



पादारविन्द भक्तलोकपालनैकलोलुपं  
सदारपार्श्वमात्मजाति मोदकं सुराधिपम् ।  
उदारमादि भूतनाथमद्भुतात्मवैभवं  
सदा रवीन्दुकुण्डलं नमामि भाग्यसंभवम् ॥ १  
कृपाकटाक्षवीक्षणं विभूति वेत्रभूषणं  
सपावनं सनातनादि सत्यधर्म पोषणं  
अपारशक्तियुक्तामात्मलक्षणं सुलक्षणं  
प्रभामनोदरं उरीशभाग्यसंभवं भजे ॥ २  
मृगासनं वरासनं शरासनं मडैजसं  
जगधितं समस्तभक्त चित्तरंगसंस्थितम् ।  
नगाधिराजराजयोगपीठमध्यवर्तिनं  
मृगाङ्कुशेभरे उरीशभाग्यसंभवं भजे ॥  
समस्तलोक चिन्तितप्रदं सदा सुभ्रप्रदं  
समुचितापद-चकारकृन्तनं प्रभाकरम् ।  
अमर्त्यं नृत्तगीतवाद्यलालसं मद्यालसं  
नमस्करोमि भूतनाथमादिधर्मपादुकम् ॥ ४  
थराथरान्तर स्थित प्रभामनोदर प्रभो  
सुरासुरार्थितांघ्रि पद्मयुग्म भूतनाथक ।  
विराजमानवक्त्र भक्तमित्र वेत्रशोभित  
उरीशभाग्यजात साधुपारिजात पाडि माम् ॥  
इति श्री शास्त्र पञ्चकं सम्पूर्णम् ॥

